प्रतिवेदन शाखा

असंशोधित

1 7 JUL 2002

बिहार विधान-सभा वादवृत्त

सरकारी प्रतिवेदन

(भाग १—कार्यवाही—प्रश्नोत्तर)

बि० स० (एल० ए०) 170—पोलो—500—20-2-2001—.

तारांकित प्रश्न संख्या -1356 क्रमशः

श्री प्रमोद सिंह :- महोदय, माननीय मंत्री जी ने अपने जवाब में कहा कि 35 लाख रु0 का भुगतान किया जा चुका है । मैं माननीय मंत्री से जानना चाहता हूं कि क्या इसमें आधा भी कार्य नहीं हुआ है और काम रोक दिया गया और 35 लाख रु0 की निकासी कर ली गयी । इसलिए मैं माननीय मंत्री से जानना चाहता हूं कि क्या इसकी जांच कराकर जितना जो भुगतान हुआ ,दोषी पदाधिकारी पर कार्रवाई करना चाहती है ?

श्री महावली सिंह (मंत्री):- महोदय, जांच का प्रश्न नहीं उठता है ,जांच कराने के लायक बात हो तो हम सदन को पहले भी बता चुके हैं कि कराया जाता लेकिन इसमें जांच करने का प्रश्न नहीं उठता है । जांच कराने का प्रश्न उठता और कोई भी पदाधिकारी अगर दोषी पाये जायें तो हम इसे बर्दास्त करने वाले नहीं है । इसका प्राक्कलन 70 लाख रु0 का था और भुगतान 35 लाख रु0 किया गया और काम के अनुसार भुगतान किया गया ।

अध्यक्ष:- आप स्वयं संतुष्ट हो जाईये कि काम के अनुरूप भुगतान हुआ है या नहीं?

श्री महावली सिंह (मंत्री):- महोदय, यह हमारे जिला की बात है और माननीय सदस्य भी हमारे जिला के हैं ,यह जानकारी हम ले लिये है ।

श्री प्रमोद सिंह :- भभुआ कुदरा पथ पूर्णतः गड्ढे में तब्दील हो गया है ,इसका समय सीमा के अन्दर कार्य नहीं कराया गया और जो कार्य कराया गया उससे अधिक का भुगतान हो गया ,मैं मंत्री जी के उत्तर को चुनौती देता हूं ।

अध्यक्ष:- माननीय मंत्री तो कहते हैं कि कार्य से अधिक का भुगतान नहीं हुआ है ,वे भी उसी जिला के हैं ।

श्री प्रमोद सिंह :- अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से कहना चाहता हूं कि मंत्री जी ने जो उत्तर दिया है,मैं उसे चुनौती देता हूं ,जो 35 लाख रु0 का भुगतान हुआ है उतना काम नहीं हुआ है । महोदय, इसकी जांच करा ली जाए जो अधिक राशि का भुगतान हुआ है ।

टर्न-8/17-7-2002/मुस्ताक

उतना नहीं हुआ है । महोदय, इसकी जांच करा ली जाए जो अधिक राशि का भुगतान हुआ है ।

श्री महावली सिंह (मंत्री):- महोदय, जब माननीय सदस्य को विश्वास नहीं हो रहा है तो हम इसकी जांच करा लेते हैं ।

श्री प्रमोद कुमार सिंह :- जांच तो करा लेंगे . लेकिन जो रोड अभी चलने के लायक नहीं है - - -

अध्यक्ष :- जांच कराने के बाद न जो दोषी होंगे दंडित करेंगे ।

श्री प्रमोद सिंह :- किस पदाधिकारी से जांच कराना चाहते हैं ?

श्री नवीन किशोर प्रसाद सिंहा :- माननीय सदस्य का कहना है कि जितनी राशि का काम हुआ है ,उससे अधिक का भुगतान किया गया है ,यह जांच का विषय होना चाहिए ।

अध्यक्ष :- आप बैठिये न । इसकी जांच करायेंगे ।

श्रीप्रमोद सिंह :- महोदय, मैं माननीय मंत्री से जानना चाहता हूं कि वे इसकी जांच किस पदाधिकारी से कराना चाहते हैं ।

अध्यक्ष :- यह अभियंता प्रमुख से या कहेंगा तो सचिव ,पथ निर्माण विभाग से जांच करा लेंगे ।

श्री प्रमोद सिंह :- नहीं ।

अध्यक्ष :- तब किससे कराना चाहते हैं ?

श्री प्रमोद सिंह :- इसकी जांच निगरानी समिति से कराई जाए या विधान-सभा की समिति से कराई जाए ।

अध्यक्ष :- सचिव,पथ निर्माण विभाग इसकी जांच करेंगे ,बैठिये ।

तारांकित प्रश्न संख्या -1357

डा0 रामचन्द्र पूर्वे (मंत्री):- यह गृह (विशेष) विभाग को स्थानान्तरित कर दिया गया है ।